ओम शांति

करो भगवान से वायदा

जब भी सवेरे उठूँगा, पहले आपसे गुडमार्निंग करूँगा
जब भी स्नान करूँगा, आपका गीत गुनगुनाऊँगा
जब भी बोलूँगा, स्वमान में रह कर बोलूँगा
जब भी पानी पिऊँगा, रूहानी वाइब्रेशन देकर पिऊँगा
जिससे भी कुछ सुनूंगा, व्यर्थ ग्रहण नहीं करूँगा
जब भी कुछ खाऊँगा, आपको भोग लगाकर खाऊँगा
जब भी कुछ गाऊँगा, तेरी महिमा के गीत सुनाऊँगा
जब भी घर से निकलूंगा, आप से छुट्टी लेकर निकलुँगा
जब भी कलम चलाऊँगा, आपका दीदार करूँगा
जब भी सैर करूँगा, आपको दोस्त बनाकर बाते करूँगा
जितने भी कदम चलुगा, याद से पदमो की कमाई जमा करूँगा
जब भी देखूंगा, भ्रकुटी के बीच चमकता सितारा देखूंगा
जब भी गाड़ी चलाऊँगा, आपको आगे बिठाकर चलाऊँगा
जो भी आपने खजाने दिये हें, उनको खूब बांटकर बढाऊँगा
जब जितना भी धन बचेगा, ईश्वरीय सेवा में सफल करूँगा
जब भी कुछ मुश्किल आएगी, पहले आपसे हल लूँगा
जब भी कुछ लिखूंगा, आपके ज्ञान रत्नों का वर्णन करूँगा
जब भी फ्री बेठुंगा, प्रकृति को पावन बनाने की सेवा करूँगा
जब भी किससे मिलूँगा, उनको शुभ भावना की गिफ्ट जरुर दूंगा
जब भी मोबाईल से बात करूँगा, पहले ओम शांति जरुर करूँगा
जब भी सोऊँगा, आपको चार्ट दे शुक्रिया कर सोऊँगा